Book Ad Any category of Classified and get special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbharat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advertising
Plot no- 516. Sector-12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-14 Issue- 22
Ghaziabad, Sunday, 30 October- 2022

30 October to 05 November- 2022

Page: 8

Postal Registration No: UP/GZB- 80/2016-18
RNI.No: UPBIL/2009/28691
DAVP Code: 101473
Editor: Dheeraj Kumar
Mo.: 9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
www.tbcgzb.com
Email: editor@tbam.co.in

Page 2

Page 5

Page 8

जहरीली हुई दिल्ली-गाजियाबाद की हवा, लोगों का सांस लेना मुश्किल

गाजियाबाद। दिवाली के बाद से दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार खराब होता जा रहा है। जहरीली हवा में लोगों को सांस लेने में मुश्किल हो रहा है। धुंध की वजह से विजिबिलिटी भी कम हो गई है। शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 309 (बहुत खराब) दर्ज किया गया। गाजियाबाद भी देश का सबसे प्रदूषित शहर हो गया है। वहीं, दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में एक्यूआई 355, मथुरा रोड पर 340 जबकि नोएडा में 392 दर्ज किया गया। गुरुवार शाम को जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 354 दर्ज हुआ था तो वहीं शुक्रवार शाम को यह 367

पर पहुंच गया। दिल्ली के सात इलाकों में शुक्रवार को हवा गंभीर श्रेणी में रही। उत्तर-पश्चिम की तरफ जल रही पराली से लगातार दिल्ली में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। अगले तीन दिनों तक प्रदूषण खराब श्रेणी में बने रहने की आशंका सफर द्वारा जताई गई है। दिल्ली में शुक्रवार को सुबह के समय वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में रहा। आंकड़े बताते हैं कि दिल्ली का आनंद विहार, वजीरपुर, विवेक विहार, शादीपुर, बवाना, जहांगीरपुरी और नरेला इलाका शुक्रवार को सबसे ज्यादा प्रदूषित रहा। इन जगहों पर प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। सफर ने राजधानी दिल्ली में अगले तीन दिनों तक हवा बेहद खराब श्रेणी में रहने की संभावना जताई है।

गाजियाबाद शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन देश का सर्वाधिक प्रदूषित शहर रहा। वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में 384 अंक रहा।

TIRUPATI EYE

CTET 2022: 31 अक्टूबर से कर सकेंगे आवेदन

नई दिल्ली। सीटेट 2022 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 31 अक्तूबर से शुरू होगी। आवेदन की अंतिम तिथि 24 नवंबर है। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट ctet.nic.in पर रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। सीटेट 2022 के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। अभ्यर्थी लंबे समय से नोटिफिकेशन का इंतजार कर रहे थे। रजिस्ट्रेशन फीस जमा करने की अंतिम तिथि 25 नवंबर है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंड्री एजुकेशन ने सेंट्रल टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट (CTET 2022) के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। लंबे समय से नोटिफिकेशन का इंतजार कर रहे उम्मीदवारों के लिए अच्छी खबर है। सीटेट दिसंबर परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट ctet.nic.in पर विजिट कर ऑनलाइन आवेदन दर्ज कर सकेंगे। उम्मीदवार 24 नवंबर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। रजिस्ट्रेशन फीस जमा करने की लास्ट डेट 25 नवंबर होगी। बता दें कि अनारक्षित कैटेगरी के उम्मीदवारों के एक पेपर की एप्लिकेशन फीस 1000/- रुपये और दोनो पेपर की 1200/- रुपये है, जबकि आरक्षित कैटेगरी के लिए एक पेपर की फीस 500/- रुपये और दोनो पेपर की फीस 600/- रुपये है।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा गाजियाबाद का 24 वां विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन 19 व 20 नवंबर को होगा

गाजियाबाद। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा गाजियाबाद द्वारा 24 वें विवाह योग्य ब्राह्मण युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन 19 व 20 नवंबर को लोहिया नगर स्थित अग्रेसन भवन में किया जाएगा। परिचय सम्मेलन में कई राज्यों युवक-युवतियां भाग लेंगे और अपना परिचय देंगे। यह जानकारी संस्था के मुख्य संरक्षक पं. जे के गौड़ ने दी। उन्होंने बताया कि परिचय सम्मेलन में गाजियाबाद के अलावा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों, पूरे एनसीआर के अलावा पंजाब, राजस्थान आदि के युवा भी भाग लेंगे। 10 नवंबर तक पंजीकरण कराने वाले युवक-युवतियों का पूरा विवरण ब्राहमण गौरव पत्रिका में प्रकाशित किया जाएगा।

इस पत्रिका को परिचय सम्मेलन के दूसरे दिन 20 नवंबर को पंजीकृत युवक-युवतियों को वितरित किया जाएगा। पं. जे के गौड़ ने बताया कि अभी तक 300 से अधिक युवक-युवतियों के पंजीकरण हो चुके हैं और 10 नवंबर तक 500 से अधिक युवक-युवतियों के पंजीकरण कराने की उम्मीद है। बाहर से आने वाले युवक-युवतियों व उनके अभिभावकों के ठहरने की व्यवस्था आयोजन समिति द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही उनके लिए नाश्ते, भोजन आदि की व्यवस्था भी कराई जाएगी। परिचय सम्मेलन का उदघाटन 19 नवंबर को मुख्य अतिथि संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. गोपाल दत्त शर्मा, विशिष्ट अतिथि पूर्व जनपद न्यायाधीश पं. जी के शर्मा व पूर्व मंत्री सतीश शर्मा करेंगे। अध्यक्षता संस्था के प्रदेश अध्यक्ष पं. पितांबर शर्मा करेंगे।

20 नवंबर को परिचय सम्मेलन की अध्यक्षता संस्था की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती दिग्विजय दीक्षित करेंगी। विधायक पं. सुनील शर्मा भी मौजूद रहेंगे। महापौर आशा शर्मा भी 19 या 20 नवंबर को परिचय सम्मेलन में शामिल होंगी। संस्था के जिलाध्यक्ष पं. जयनंद शर्मा व महामंत्री पं. विजय भारद्वाज ने बताया कि 19 नवंबर व 20 नवंबर को प्रातः नौ बजे से अपरान्ह चार बजे तक युवक-युवतियों का परिचय कराया जाएगा।

जो परिवार विवाह कराना चाहेंगे, उसकी व्यवस्था भी समिति द्वारा कराई जाएगी। संस्था के महानगर अध्यक्ष अशोक शर्मा, परिचय सम्मेलन के अध्यक्ष हिमांशु भारद्वाज, स्वागताध्यक्ष सुभाष शर्मा, मुख्य व्यवस्था प्रभारी सुभाष शर्मा, मुख्य संयोजक आदेश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बुद्ध प्रकाश शर्मा, जे पी शर्मा, संदीप शर्मा, संरक्षक नरेश पाल कौशिक, प्रचार सचिव अनादि सुकुल, संयोजक आर एन पांडेय, अनिल शर्मा, अजय शर्मा, धीरज भार्गव, उमेश शर्मा, डी डी शर्मा, दिनेश शर्मा आदि पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

BUREAU OFFICE
PRATEEK BHARGAVA
BUREAU CHIEF
Add: Plot No- 516, Sector 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)
Mo.: 8130640011
e-mail: prateekb@tbcgzb.com
Contact for Press Release and Advertisements

छठ महापर्व: रविवार को छिपते सूर्य को देंगे अर्घ्य, सोसायटी व घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़

गाजियाबाद। शुक्रवार को नहाय खाय से छठ महापर्व की शुरूआत हो गई। शनिवार को खरना है और रविवार शाम को छिपते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके लिए श्रद्धालुओं ने हिंडन घाट, खोड़ा, एनएच-24 स्थित छठ घाट, हरनंदी गाजियाबाद में पूजा अर्चना के लिए वेदी बनाई है। ठंड के बावजूद सुबह 4 बजे से श्रद्धालु घाट पर पहुंचना शुरू हो जाएंगे।

राजेंद्र नगर, जनकपुरी के खजूर पार्क, करहेड़ा घाट, राजीव कॉलोनी, डीएलएफ कॉलोनी, राजेंद्र नगर गोल पार्क, शालीमार गार्डन, शिप्रा सन सिटी, एटीएस सोसायटी, वैशाली सेक्टर-4, वसुंधरा छठ वाटिका आदि समेत करीब 52 स्थायी व अस्थायी घाटों पर श्रद्धालुओं ने सूर्य को अर्घ्य देने के

लिए उपवास रखा है। इसमें लोग भगवान भास्कर से परिवार की खुशहाली के लिए कामना करेंगे। छठ व्रतियों ने उपवास के समापन पर जगह-जगह ठेकुआ का प्रसाद बांटने की तैयारी कर ली है। कई घाटों पर छठ मैया के पारंपरिक गीत भी गाए जाएंगे। शालीमार गार्डन मेन, राजेंद्र नगर गोल पार्क और औद्योगिक क्षेत्र साइट-4 स्थित छठ घाट पर श्रद्धालु सूर्य देव को अर्घ्य देने के लिए परिवार सहित पहुंचेगे। उन्होंने गन्ना, सेब, अनार, अन्नास ठेकुआ, अंकुरित चना सहित अन्य मौसमी फल से पूजा पाठ करने की पूरी तैयारी की है।

सेवियर पार्क सोसायटी में दिया जाएगा अर्घ्य

मोहन नगर की सेवियर पार्क सोसायटी, सूर्य नगर में पूर्वांचल समाज के लोगों ने अस्थायी घाट बनाकर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया जाएगा। पुरबिया जन कल्याण परिषद की तरफ से अमन शर्मा ने बताया कि खोड़ा के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं ने खरना किया और रविवार शाम को छिपते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। वहीं, शालीमार गार्डन मेन के श्रीराम और विक्रम इंक्लेव में भी श्रद्धालुओं ने भगवान भास्कर को याद किया और छठ मैया के जयकारे भी लगाए।

स्वीमिंग पूल के जल में खड़े होकर खोलेंगे व्रत

शिप्रा सन सिटी में महिलाओं ने स्वीमिंग पूल में बने कृत्रिम घाट पर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देने की तैयारी की है। यहां सोसायटी के अलावा आसपास के इलाकों से भी श्रद्धालु पूजा करने के लिए पहुंचेगे। सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ मैया का प्रसाद बांटा गया। वहीं, शिप्रा सनसिटी फेज-2 के जॉगर्स पार्क में भी सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया जाएगा।

दिवाली के बाद गाजियाबाद देश का सबसे प्रदूषित शहर बना

गाजियाबाद। शहर में दिवाली पर जमकर आतिशबाजी हुई है। मनाही के बाद लोगों ने जमकर पटाखे फोडकर नियमों की धज्जियां उड़ाई। इससे शहर की आवोहवा भी बदल गई है। दिवाली के बाद जब हवा की रफ्तार कम हुई तो शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 373 पहुंच गया। बृहस्पतिवार को जिला देश के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार रहा। लोनी स्टेशन पर एक्यूआई सेवियर जोन में 445 रिकॉर्ड हुआ जो साल में अभी तक का सबसे खराब स्तर रहा। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अफसरों की मानें तो हरियाणा और पंजाब में जल रही पराली के धुएं से शहर की हवा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि, यहां पर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) के नियम सिर्फ कागजों में ही दिखाई दे रहे हैं। पिछले तीन दिनों से हवा की गति 15 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रही थी। जिस कारण दिवाली पर छोड़े गए पटाखों के धुएं का असर ज्यादा नहीं हुआ लेकिन हवा की रफ्तार तीन किमी प्रतिघंटा होते ही प्रदूषण के स्तर में बढ़ोत्तरी हो गई। हवा की गति रविवार तक इसी रफ्तार से चलने पर प्रदूषण के स्तर में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। पीसीबी की मॉनिटरिंग साइट को देखें तो लोनी के बाद इंदिरापुरम का एक्यूआई दूसरे पायदान पर 370, वसुंधरा का तीसरे स्तर पर 368 और चौथे नंबर पर संजय नगर का एक्यूआई 309 है। यहां सभी स्टेशनों पर पीएम 10 और पीएम 2.5 मानकों से तीन से साढ़े तीन गुना ज्यादा बढ़े हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी उत्सव शर्मा का कहना है कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दिवाली से पहले ही ग्रैप के तीसरे चरण के नियमों को लागू कर दिया था जिससे सरकारी संस्थाएं

प्रदूषण से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम कर लें लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं हुआ। 22 विभागों की तरफ से पानी का छिड़काव करने में भी लापरवाही बरती जा रही है। वहीं, जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। बृहस्पतिवार को लोहामंडी में सड़क किनारे पड़े कूड़े के ढेर में किसी ने आग लगा दी। पूरे दिन धुआं निकलता रहा। वहीं लोनी के लालबाग कालोनी में भी कूड़े से उठता धुआं पूरे दिन लोगों की परेशानी का सबब बना रहा। नगर निगम और नगर पालिका के अधिकारी कूड़ा उठने का दावा करते रहे लेकिन धरातल पर हकीकत कुछ और ही है।

खुले में चल रहा निर्माण, टूटी सड़क से उड़ रही धूल

लोनी में हाईवे का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके अलावा टूटी सड़कों से लगातार उड़ रही धूल मिट्टी व औद्योगिक इकाइयों से निकलता काला धुआं हवा को और जहरीला बना रहा है। गाजियाबाद औद्योगिक क्षेत्र की टूटी सड़कों से उड़ने वाली धूल भी हवा के साथ ही लोगों की भी सेहत खराब कर रही है। यहां के उद्यमियों ने कई बार यूपीसीडा और निगम के अफसरों से सड़क बनाने की मांग कर चुके हैं। उद्यमी अनिल शर्मा का कहना है कि यहां पर पानी का छिड़काव भी नहीं हो रहा है। जिससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही वसुंधरा, विजय नगर, नंदग्राम समेत कई स्थानों पर खुले में निमार्ण कार्य भी हो रहा है।

नगर आयुक्त नितिन गौड़ ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

गाजियाबाद। जनपद में 61 ऐसे स्थान जहां पर छठ घाटों को निगम द्वारा व्यवस्थित किया गया है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए पुरबिया समाज समिति तथा श्रद्धालुओं द्वारा निगम अधिकारियों तथा प्रशासन के साथ गुरुवार को समीक्षा बैठक की गई। जिसमें नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। इस मौके पर पूजा अर्चना के साथ हिंडन छठ घाट का सफाई अभियान प्रारंभ किया गया। जिसमें स्वयं नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ ने हाथों में झाड़ू लेकर स्वच्छता का सदेंश दिया। नगर आयुक्त ने निगम अधिकारियों के साथ मिलकर हिंडन छठ घाट की सफाई की । नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ के नेतृतव में नगर निगम की टीम चयनित छठ घाटों पर श्रृद्धालुंओं को बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराने के लिए जुटी हुई है। साथ ही कराए जा रहे कार्यों पर समीक्षा

भी लगातार की जा रही है। पुरबिया समाज की समितियों द्वारा नगर निगम का सहयोग भी किया जा रहा है। ताकि छठ पर्व को सफल पूर्वक किया जा सकें। हिंडन व अन्य कार्यक्रम स्थल की स्वच्छता बनाए रखने के लिए श्रद्धालुओं से नगर आयुक्त ने अपीत करते हुए कहा कि जहां निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी छठ पूजा महोत्सव को सफल बनाने के लिए बेहतर कार्य कर रहे है। वहीं दूसरी ओर श्रद्धालुओं से भी अपील की जाती है कि हिंडन नदी व अन्य छठ घाट जिनकी सफाई का कार्य कराया गया है। उसको गंदा ना किया जाए और स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें। इसके अलावा कई स्थानों पर छोटे-छोटे छठ घाट बनाकर पूजा अर्चना की जाएगी।

जनसुनवाई में दर्ज शिकायतों का अधिकारियों ने मौके पर किया निस्तारण

गाजियाबाद। नगर आयुक्त डॉ नितिन गौड़ के निदेर्शानुसार नगर निगम में मंगलवा को संभव जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें अपर नगर आयुक्त शिवपूजन यादव, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉक्टर संजीव सिन्हा ने जन समस्याओं को सुनकर मौके पर ही प्राप्त शिकायतों का समाधान कराने के संबधित अधिकारियों को आदेश दिए। जिसमें दीपावली पर्व के उपरांत एकत्र हुए कचरे की सफाई संबंधित शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसका तत्काल प्रभाव से समाधान कराया गया। साथ ही नगर आयुक्त के निदेर्शानुसार अधिकारियों को अवगत कराया गया कि पर्व के उपरांत सफाई व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाते हुए शहर को स्वच्छ बनाएं रखने का कार्य तेजी से किया जाए। इसी क्रम में संभव के अंतर्गत प्राप्त सफाई संबंधित शिकायत का तत्काल समाधान कराया गया। संभव जनसुनवाई में त्योहारों के चलते कम आगंतुक दिखाई दिए। साथ ही यह भी देखा गया कि मौके पर अधिकारी उपस्थित रहे और आने वाले

आगंतुकों की समस्याओं का समाधान मौके पर ही कराया। संबंधित जोनल प्रभारी व अन्य नगर निगम की टीम भी मौके पर पहुंचकर संभव में प्राप्त शिकायतों का समाधान कराती रही तथा शिकायत कताओं की तत्काल समाधान पर नगर निगम को धन्यवाद प्राप्त हुआ। नगर आयुक्त महोदय के निदेर्शानुसार सभी संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया गया है कि उनके द्वारा प्राप्त शिकायतों की कार्यवाही आख्या भी शिकायतकर्ता के समक्ष प्रस्तुत की जाए ताकि शिकायतकर्ता की शिकायत पर होने वाली कार्यवाही से संबंधित को पूरी जानकारी हो। जिसके लिए संबंधित उपस्थित जनों को निगम अधिकारियों ने कार्यवाही रिपोर्ट से अवगत कराया। मेयर एवं नगर आयुक्त के निर्देश अनुसार नगर निगम संभव जन सुनवाई के दौरान ना केवल समस्याओं के समाधान करा रहा है। बल्कि कृत कार्यवाही से शिकायतकर्ता को अवगत भी करा रहा है। ताकि पारदर्शिता के साथ-साथ शिकायतकर्ता को पूर्ण रूप से संतुष्ट किया जा सकें। संभव जन सुनवाई के दौरान एक शिकायत तथा एक मांग प्राप्त हुई। जिस पर संबंधित अधिकारियों द्वारा तत्काल कार्यवाही कराई गई।

सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशु लोगों के लिए बने सिरदर्द

गाजियाबाद। शहर में जहां-तहां घूमने वाले आवारा पशु लोगों के लिए सिरदर्द बने हैं। वैशाली, वसुंधरा, इंदिरापुरम, कौशांबी, डाबर तिराहा, राजेंद्र नगर, लाजपत नगर, शालीमार गार्डन, हिंडन एयरफोर्स रोड जैसे रिहायशी इलाकों की मुख्य सड़कों पर घूमते ये पशु हादसों को दावत दे रहे हैं। यही नहीं कॉलोनी के भीतर भी इन्होंने आतंक मचा रखा है। फुटपाथ और पार्कों की हरियाली को भी काफी नुकसान हो रहा है। हालांकि लोगों की शिकायत पर निगम ने कई बार पशुओं को पकड़ने के लिए अभियान चलाया है। लेकिन छुट्टा घूमने वाले पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। दरअसल, खुले में घूमने वाले छुट्टा पशुओं को नंदी पार्क और गौशाला में भेजे जाने का प्रविधान है। लेकिन शहर में सीएम

के आदेश का ढंग से अनुपालन नहीं हो रहा है। यहां वैशाली सेक्टर-6 की पुलिया, कौशांबी की मेन रोड और डाबर तिराहा लिंक रोड पर रोजाना सुबह से पशुओं का जमावड़ा लग जाता है। यहां सड़क के बीचोबीच आवारा पशु खड़े रहते हैं, इससे हमेशा हादसे का डर बना रहता है। लाजपत नगर में रहने वाले गोविंद राणा ने बताया कि कॉलोनी के भीतर पार्कों में सबसे ज्यादा पशु मिलते हैं। सौर ऊर्जा मार्ग का रामलीला पार्क, राजेंद्र नगर के गोल पार्क, डॉ राम मनोहर लोहिया पार्क आदि सभी जगह यही हाल है। ब्लॉक-1 की आरडब्ल्यूए से केके सिंह का कहना है कि आवारा पशु से काफी परेशानी हो रही है। निगम में कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन समस्या का कोई समाधान नहीं हो रहा है। आवारा पशुओं से स्कूली बच्चों की जान को भी खतरा है। कई बार पशु आपस में लड़ते हुए सड़क पर आ जाते हैं।

क्या कहते हैं अधिकारी

आवारा पशुओं को पकड़ने के लिए निगम की तरफ से टीम बनी है। शिकायत आने पर टीम मौके पर जाकर आवारा पशुओं को पकड़कर नंदी पार्क ले जाती है। कुछ ग्रामीण इलाकों लोग शहर में पशुओं को छोड़कर चले जाते हैं। ऐसे लोगों को चिंहित कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डॉ अनुज कुमार, नगर निगम

ग्रीन बेल्ट पर डेयरी की भैसों का जमावड़ा

डाबर तिराहे के पास ग्रीन बेल्ट पर पालतू भैसों का जमावड़ा भी लगा है। आरोप है कि सुबह दूध निकालने के बाद कुछ लोग भैसों को खुला छोड़ देते हैं। इसके बाद शाम को दूध के समय डेयरी में ले जाते हैं। ऐसे में इन भैसों से ग्रीनरी को भी नुकसान हो रहा है। भैसों से चारों तरफ गोबर की गंदगी भी फैल जाती है।

लालकुआं पर इंटरलॉकिंग से होगा सडक निर्माण

गाजियाबाद। गाजियाबाद की अधिकांश सड़कों में गड्ढे हैं। इससे लोगों का सड़कों से आना-जाना मुश्किल हो रहा है। दरअसल, नगर निगम ने 1200, जीडीए ने 200 और पीडब्लूडी ने 300 गड्ढे चिह्नित किए हैं। दावा है कि 15 नवंबर तक इन गड्ढों को भर दिया जाएगा। गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार और गोविंदपुरम को छोड़कर कहीं पर भी गड्ढे भरने का काम चलता नहीं मिला। लालकुआं से दादरी की तरफ कार का पहिया बढ़ते ही ऐसा लगता है, जैसे किसी छोटे कस्बे में आ गए हों। कहने को हाईवे, लेकिन डाबर की सड़क नहीं है। करीब 150 मीटर तक टाइल्स की इंटरलॉकिंग की हुई है। आसपास के लोगों ने बताया, यहां बारिश का पानी भरने से डामर की सड़क टूट जाती है। इसलिए इंटरलॉकिंग करके सड़क बनाई गई है। लोहा मंडी, मुखर्जी पार्क, आत्माराम स्टील के आसपास सड़क में लंबे और गहरे गड्ढे हैं। सड़क पर धूल उड़ रही है। दादरी से गाजियाबाद की तरफ आते वक्त लालकुआं के 250 मीटर दायरे में दुकानों के बाहर गहरे गड्ढे बने हैं और इन गड्ढों में अब तक भी बारिश का पानी भरा हुआ है। कहने को इस इलाके की गिनती पॉश में होती है, लेकिन यहां चलने पर आपको सड़क दिखाई ही नहीं देगी। चारों तरफ धूल का गुबार है। सड़क कहां है, कुछ नहीं पता। गड्ढों में बारिश का पानी अब तक भरा हुआ है। यहां के लोग जागरूक हैं और लगातार गड्ढे भरने की मांग उठा रहे हैं। इस वजह से रविवार से यहां पर बजरी से गड्ढे भरने का काम शुरू हो गया है। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि ये नाकाफी है। क्योंकि डाबर सड़क यहां है नहीं और जो बजरी गड्ढों में भरी गई है, वो दो-तीन दिन में निकलनी शुरू हो जाएगी। वहीं, मेरठ तिराहे से मोदीनगर तक पहुंचने में करीब डेढ़ घंटे से ज्यादा का वक्त लग रहा है। उसकी वजह है गड्ढे और जाम। दोनों ने वाहन चालकों की हालत खराब कर रखी है।

निगम चुनाव के लिए सपा व रालोद ने मिलाया हाथ, मजबूती से चुनाव लड़ने का ऐलान

गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोक दल नगर निगम के चुनाव में सपा गठबंधन के साथ मजबूती से चुनाव लड़ेगी। गठबंधन तय अनुपात में पार्षदों को टिकट देगी। इसमें महिलाओं की भी भागीदारी होगी। गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष की जिम्मेदारी पहली बार किसी महिला कार्यकर्ता को सौंपी गई है। राष्ट्रीय लोकदल की शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सुखबीर सिंह गठीना ने दी।

उन्होंने सर्वप्रथम गाजियाबाद के महानगर अध्यक्ष पद पर नियुक्त रेखा चौधरी को नियुक्ति पत्र सौंपा। उनके साथ पार्टी के मेरठ मंडल अध्यक्ष समेत कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। राष्ट्रीय सचिव ने महानगर अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी रेखा चौधरी को सौंपते हुए कहा कि पार्टी में महिलाओं का सम्मान बराबर है। पहली बार पार्टी की मुख्य इकाई की कमान किसी महिला को दी गई है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि रेखा चौधरी महानगर में पार्टी को मजबूती प्रदान करेगी। खासकर महिलाओं को पार्टी से जोड़कर पुरुषों के साथ संगठन को मजबूत करेगी। सुखबीर सिंह ने बताया कि नगर निगम

चुनाव में राष्ट्रीय लोक दल गठबंधन का धर्म निभाएगी। समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर मजबूती से चुनाव लड़ेगी। सभी सीटों पर आपसी सामंजस्य से प्रत्याशी को टिकट देगी।

नवनियुक्त महानगर अध्यक्ष रेखा चौधरी ने पार्टी का आभार जताया तथा कहा कि महिला कार्यकर्ता पर विश्वास करके पार्टी मुखिया जयंत चौधरी ने महिला वर्ग का सम्मान किया है। उन्होंने शीघ्र ही कमेटी के गठन करने और महिलाओं को पार्टी से जोड़ने का आश्वासन दिया। पार्टी के मेरठ मंडल प्रभारी इंद्रवीर भाटी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री भोपाल सिंह गुर्जर ने कहा कि शीघ्र ही पार्टी के जिलाध्यक्ष के नाम पर मुहर लग जाएगी। इसके बाद जिला कार्यकारिणी भी गठित की जाएगी।

दोनों नेताओं ने कहा कि निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ पश्चिमी यूपी में मजबूती से चुनाव लड़ा जाएगा। पत्रकार वार्ता में गन्ना समिति के चेयरमैन अमरजीत सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता कुंवर अयूब अली, लोनी नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन मनोज धामा, रंजीता धामा, तेजपाल सिंह, मनवीर सिंह तथा इंद्रजीत सिंह टीटू समेत कई अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

हिंडन छठ घाट पर डीएम ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा, अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गाजियाबाद। छठ महोत्सव को लेकर डीएम राकेश कुमार सिंह ने शहर में छठ पूजा की तैयारी और छठ घाट स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने घाटों की साफ सफाई के लिये नगर निगम व घाट की मरम्मत को लेकर अधिकारियों को तत्काल अपने कार्यों में जुट जाने संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं। छठ का पर्व पूरे देश में 28 अक्टूबर से मनाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने घाटों पर किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शासन की मंशानुसार सारी व्यवस्थाएं तत्काल प्रभाव से पूर्ण करा ली जाए ताकि आपातकालीन स्थिति से निपटा

जा सके। इसके साथ ही उन्होंने सभी घाटों पर एम्बुलेंस की व्यवस्था भी रखने के निर्देश दिए हैं।

घाटों की सफाई को लेकर जिलाधिकारी ने जिम्मेदार अधिकारियों को निर्देशित किया कि महापर्व के दौरान राउंड द क्लॉक सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति रहे ताकि सभी घाटों पर गंदगी होने की आशंका न रहे। इसके साथ ही उन्होंने निर्देशित किया कि इस दौरान घाटों पर अधिक डस्टबिन रखे जाएं ताकि लोग कूड़े को अनावश्यक जगह पर न डालते हुए डस्टबिन का प्रयोग करें। उन्होंने सभी घाटों पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम, बैरिकेडिंग की व्यवस्था, साफ सफाई की व्यवस्था व घाटों पर जहां पर पानी गहरा है वहां पर भी बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि किसी भी प्रकार की जन हानि न होने पाए।

जिलाधिकारी ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए कोविड-19 प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराने के लिये अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। लोगों से मास्क पहनने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारियों का पूरा फोकस छठ पूजा को सकुशल संपन्न कराने का होना चाहिए। इसके लिए एडीएम, एसडीएम, अपर नगर मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित छठ पूजा स्थलों का निरीक्षण कर लें एवं साफ सफाई का बेहतर प्रबंधन कराएं, प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करें, कैमरे इत्यादि लगवाने की व्यवस्था स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर कराना सुनिश्चित करें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि छठ पूजा के दिन जब तक पूजा समाप्त न हो जाए एवं भीड़ भाड़ मौजूद रहे तब तक वहां पर स्वयं अपने अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों को वहां पर उपस्थित रहकर अपना पर्यवेक्षण प्रदान करें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने घाटों के पास मोबाइल टायलेट और साफ सफाई की व्यवस्था नगर निगम से कराने के निर्देश दिए।

Editorial

The job and the man: On Rishi Sunak

At a time when ethnonationalist and majoritarian far-right parties are on the ascent in many democracies across the world, the rise of Rishi Sunak, a man of colour and a practising Hindu, to the premiership of the predominantly white, Christian U.K., has great symbolic value. While his election as Britain's first non-white Prime Minister points to the readiness of Conservative MPs to look beyond the racial and religious barriers for a solution to the crisis both party and country are in, his victory was particularly welcomed by sections in India, who see some historical fulfilment in a man of Indian origin ruling over India's former colonial rulers. But the power of symbolism is limited when it is tested with the hard realities of the day. In fact, the very circumstances that led to his rise should themselves serve as a warning for the new leader. He is the fifth Prime Minister since the Tories' victory in the 2010 general elections, and the third in the last two months. Liz Truss, his immediate predecessor, had also promised to revive the economy but exited in seven weeks amid a hostile market reaction to her policy measures and an open revolt among the Tory MPs.When the Conservatives won an outright victory in the 2019 elections under Boris Johnson, not many expected Mr. Sunak, a former hedge fund manager, to end up as the party leader in three years.

Dr. Dheeraj Kumar Bhargava

India vs Pakistan: No point delving in past performances, says Sourav Ganguly ahead of India's T20 WC opener

Former India captain Sourav Ganguly feels that India are one of the firm favourites to win the T20 World Cup, despite their group stage exit in the last edition of the tournament. Ganguly has refused to delve into the 2021 disaster and said that last year's debacle would not affect India's performance in the 2022 edition in Australia.

"What happened before, there is no point discussing that. India will be one of the favourites to win the tournament. In World Cup the fight is completely different," Ganguly told India Today in a brief interaction.

India are set to face Pakistan in their T20 World Cup opener at the iconic Melbourne Cricket Ground. This is going to a repeat fixture of India's T20 World Cup 2021 and Asia Cup 2022 matches. Ganguly has said that given the unpredictability of the format, any team has the capability to lift the trophy.

"Those teams who will play well in those two-three weeks will make the mark," Ganguly said. "Look, it's hard to say before but we have a good side. Big hitters are there. In T20 format form is very crucial in those hours," Ganguly said about the team. Ahead of the game, India captain Rohit Sharma said that India have tried to assess and correct their mistakes which knocked them out of the World Cup 2021. Speaking at the press conference ahead of the India vs Pakistan game, Sharma said that India's idea has been to play fearless cricket and back their players to show their natural abilities in full flow.

The former BCCI president named South Africa as one of the favourites for the tournament because of their pace bowling prowess. "I will choose India, South Africa, Australia, and England. South Africa is a good bowling side and that will be a factor in Australia," the former India captain concluded.

T20 World Cup: Tim David a big reason behind Australia's chance to defend title, says Brett Lee

Former Australia fast bowler Brett Lee has backed Australia to win the T20 World Cup. Lee, in his latest column with the International Cricket Council (ICC) has said that Australia are a stronger team in this World Cup than they were in the 2021 edition of the tournament. Australia begin their World Cup campaign against New Zealand at the Sydney Cricket Ground. This is the first time that the nation will be hosting the World Cup, which gives them an added advantage at home conditions. The team chose to make only one change in their winning 2021 squad, where they brought in lower order big hitter Tim David in place of spinner Mitchell Swepson. David was drafted straight into the playing XI for his special ability to hit the ball very hard. The fact that Tim David is the new face in the team is an indication of the stability of the defending champions, and a big reason why I think they could do it again and go back-to-back.," Lee said in his piece. The player also warned the opponents about the Australian pace bowling attack, who have shown the tendency to blow hot and cold in the recent times. "...If they are going to do that, the bowlers will probably need to pick it up after the big guns struggled in Canberra, but write off Pat Cummins, Mitchell Starc and Josh Hazlewood at your peril. Those guys have done it time and again on the big stage, and will thrive in the Aussie conditions," Lee said about people writing off the Australia pace attack. Between their experience and the talent with both bat and ball, there is no reason why Australia should not be right in the mix at the business end of the tournament," Lee said "And considering this is the first time the ICC Men's T20 World Cup is being played in Australia, expect it to be an amazing event with the crowds cheering on Aaron Finch and the guys – starting with an electric atmosphere at the SCG," he concluded.

FIFA World Cup: Argentina captain Lionel Messi names his favorites to win the title

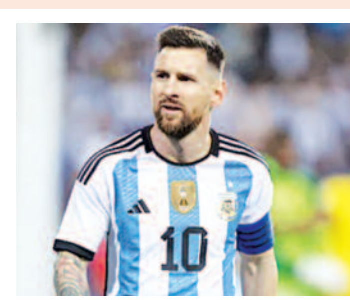

Argentina captain Lionel Messi has named Brazil and France as the favorites to lift the upcoming FIFA World Cup in Qatar. All eyes will be on the seven-time Ballon d'Or winner, who will likely be playing his final World Cup.

The PSG forward didn't rule out the likes of Germany, England and Spain, and named them as contenders but said France and Brazil remain the favorites. "There are big teams like Brazil, Germany, France, England, Spain, and I'm sure I'm forgetting some. But if I have to keep one or two, today I think Brazil and France are the two big candidates for this World Cup," said Messi.

The Argentine said both France and Brazil have a clear style of play and have had stability when it comes to coaching for a long time. "They've had the same group [of players] for a long time, working well. France, aside from the last Euros when they were eliminated [in the last 16] and did badly, they have some impressive players. They have a clear idea and the same coach [Didier Deschamps]. Brazil is similar [under Tite]," Messi added.

The 35-year-old went on to say that Argentina are not afraid of facing any team in the World Cup with peace of mind. We are eager, we are going to fight, we are not afraid of anyone because we are ready to play against anyone, but with peace of mind," said Messi.

He went on to say that since Argentina has been doing so well and won the Copa America, people expect them to win the World Cup as well.

"Today we are doing well and people are excited and think that we will come back with the Cup, but it is not like that," Messi added. Messi's Argentina are drawn with Saudi Arabia, Mexico and Poland in Group C of the FIFA World Cup. They will play their final warm-up game against the UAE, before meeting Saudi Arabia in their opening match on November 22.

Simona Halep responds to doping ban: Biggest shock, idea of cheating never crossed my mind

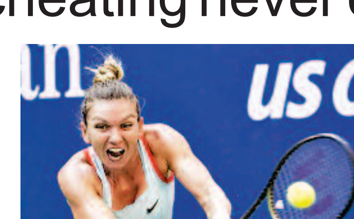

Former French Open and Wimbledon champion Simona Halep on Friday took to social media to describe her provisional suspension over doping as the biggest shock of her life, adding that she would fight till the end to prove that she did not knowingly take any banned substance. Simona Halep was suspended for testing positive for the banned substance roxadustat, the International Tennis Integrity Agency (ITIA) said on Friday. Halep was tested during the US Open in August and both her A and B samples have confirmed the presence of the drug. Simona's doping ban is the first high-profile case since Maria Sharapova was handed a 2-year ban for doping in 2016.

पाबंदी के बाद भी दिवाली और गोवर्धन पर फोड़े गए पटाखें

गाजियाबाद। पाबंदी के बाद भी दिवाली व गोवर्धन पर जमकर आतिशबाजी की गई। चारों तरफ खूब पटाखे फोड़े गए। दुकानदारों ने चोरी छिपे पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे जमकर बिक्री की। शाम से पटाखे फूटने लगे और देर रात चले। गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शुक्रवार को 300 पहुंचने पर जिला प्रशासन ने पटाखों की बिक्री, भंडारण और प्रयोग पर रोक लगा दी है। करीब 30 दुकानदारों ने ग्रीन पटाखे के लिए अस्थाई लाइसेंस के लिए आवेदन किया था। इन्हें 200 के नीचे एक्यूआई होने पर ग्रीन पटाखों की बिक्री के लिए अस्थाई लाइसेंस प्रदान करने की व्यवस्था की गई थी। लेकिन पिछले चार-पांच दिनों से एक्यूआई में लगातार बढ़ोतरी होने के बाद रोक लगा दी गई थी। कुछ पटाखा कारोबारियों ने दुकान लगाने की बजाय ऑनलाइन बिक्री का रास्ता ढूंढ निकाला। चोरी छिपे ऑनलाइन बिक्री जमकर की गई। सोशल मीडिया पर ग्रीन पटाखा के नाम से दुकानदारों ने बिक्री की। ऑन डिमांड पटाखे लोगों तक पहुंचाए गए। दरअसल, गाजियाबाद में सभी प्रकार के पटाखों पर प्रतिबंध लगने के बाद दूसरे शहरों से पटाखें की खेप मंगवाई गई। हालांकि पटाखे बेचने पर पकड़े जाने पर ही कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। बाहर से पटाखे ट्रांसपोर्ट की गाड़ियों में भरकर लाए जा रहे हैं। वहीं, साहिबाबाद में पांच साल में पहली बार दिवाली से पहले रविवार को शहर का एक्यूआई ऑरेंज जोन में 270 दर्ज किया गया है। लोनी का एक्यूआई रेड जोन में 337 पर रिकॉर्ड हुआ जो अस्थमा के मरीजों के लिए घातक है। यहां स्टेशन पर देखा जाए तो केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एनसीआर में लागू ग्रैप के दूसरे चरण के नियम पूरी तरह से धराशाई हो रहे हैं। खुले में जल रहा कूड़ा और ई-वेस्ट व टूटी सड़कों से उड़ती धूल अधिकारियों की सख्ती की पोल खोल रहे हैं। पीसीबी के क्षेत्रीय अधिकारी उत्सव शर्मा का कहना है कि प्रशासन ने प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए सभी प्रकार के पटाखे फोड़ने और बेचने पर पाबंदी लगा दी है। इससे प्रदूषण स्तर में कमी आएगी। हालांकि हवा की तेज होने से भी धूल-मिट्टी और धुएं के कण तेजी से नीचे गिरते हैं। पांच साल में पहली बार शहर का एक्यूआई 270 रहा। आंकड़ों को देखें तो दिवाली से पहले 23 अक्तूबर तक शहर के एक्यूआई का औसत 161 यानी येलो श्रेणी में रिकॉर्ड हुआ। इसी तरह इंदिरापुरम का एक्यूआई 268, वसुंधरा का 262 और संजय नगर का सबसे कम 213 पर दर्ज किया। चिंता की बात है कि लोनी के एक्यूआई में कमी नहीं हो रही। यहां स्टेशन पर प्रदूषण की स्थिति लगातार खराब श्रेणी में पहुंची हुई है। उत्सव शर्मा का कहना है कि लोनी के प्रदूषण को कम करने के लिए ग्रैप नियमों को सख्ती के साथ लागू करने के लिए कहा गया है।

26 नवंबर को किसानों का देश के राजभवनो तक पैदल मार्च

गाजियाबाद। किसान संगठनों में एक बार फिर से आंदोलन की सुगबुगाहट हो रही है। 40 से ज्यादा संगठनों को मिलाकर बने संयुक्त किसान मोर्चा (रङट) ने 26 नवंबर को देशभर के सभी राज्यों में राजभवन तक मार्च करने का ऐलान किया है। 26 नवंबर वो तारीख है जब कृषि बिल के मुद्दे पर किसान दिल्ली के सारे बॉर्डर घेरकर धरने पर बैठ गए थे। वहीं सरदार वीएम सिंह ने टरढ के मुद्दे पर किसानों को गोलबंद करना शुरू कर दिया है। रङट सदस्य युद्धवीर सिंह ने बताया, ₹मोर्चे ने 26 नवंबर 2020 के ऐतिहासिक आंदोलन की दूसरी वर्षगांठ पर सभी राज्यों की राजधानी में 'किसानों का राजभवन मार्च' करने का निर्णय लिया है। विभिन्न राज्यों में राजभवन मार्च की तैयारियां जारी हैं और इसे लेकर किसान संगठनों की तैयारी बैठकें चल रही हैं। राजभवन मार्च की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए 14 नवंबर को दिल्ली में संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े सभी संगठनों की बैठक होगी। रङट एक कार्य दिशा निर्देशिका भी प्रकाशित कराएगी, इस पर भी उसी बैठक में चर्चा होगी।₹किसान नेता सरदार श्ट सिंह ने कहा, ₹हमने 15 अक्टूबर से 'हर गांव एमएसपीझहर घर एमएसपी' अभियान शुरू किया है। इसके तहत हम देश के 6 लाख से ज्यादा गांवों तक पहुंचेंगे। सभी किसानों के घरों के बाहर टरढ से जुड़े नारे लिखवाए जायेंगे। किसानों को इसके लिए गोलबंद करेंगे। ये अभियान 31 दिसंबर

2022 को पूरा होगा। जनवरीझ2023 में प्रत्येक गांव से किसानों का एक समूह अपनेझअपने उट को ज्ञापन देगा और टरढ पर अनिवार्य रूप से फसल खरीद कानून बनाने की मांग की जाएगी। सरकार अगर इस पर कोई सुनवाई नहीं करती है तो 23 मार्च 2023 को देशभर के सभी मांग पत्रों को ट्रैक्टर ट्रालियों में भरकर दिल्ली लाकर ढट से मिलने का प्रयास किया जाएगा।

दिल्ली का आंदोलन

कृषि कानूनों को रद करने के लिए देशभर के किसान 26 नवंबर 2020 से दिल्ली के सभी बॉर्डर को जाम करके बैठ गए थे। केंद्र सरकार के खिलाफ ये धरना करीब 13 महीने चला और आखिर में सरकार को कृषि बिल रद करने पड़े। संयुक्त किसान मोर्चा की मांग पर केंद्र सरकार ने 18 जुलाई 2022 को टरढ के लिए एक कमेटी बनाई। हालांकि कमेटी में बनाए गए सदस्यों से इत्तेफाक न रखते हुए रङट ने इसकी बैठकों में शामिल होने से इनकार कर दिया। एक तरह से टरढ कानून लागू करने की मांग अभी तक अधूरी है।

बिना टिकट यात्रा करने वाले 250 लोगों का किया चालान

गाजियाबाद। त्योहार पर ट्रेनों में बिना टिकट यात्रा करने के आरोप में 250 लोगों को पर जुमार्ना लगाया गया। बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ स्टेशन पर दो टीम लगातार चेकिंग कर रही है। सबसे ज्यादा यात्री यहां लोकल ट्रेनों में सफर कर रहे हैं। रेलवे की ओर से जहां स्टेशन पर भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई है वहीं बिना टिकट यात्रा करने वालों के खिलाफ भी अभियान जारी है। पिछले दो दिनों में 250 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करते पकड़ा गया। इस भी पर जुमार्ना लगाया गया। 30 रुपये किराए के साथ इनपर 250 रुपये जुमार्ने के रुप में वसूले गए। टिकट निरीक्षक सतीश शर्मा के मुताबिक मुरादनगर, मोदीनगर, दादरी, वैर, साहिबाबाद, विवेक विहार जैसे स्टेशन पर जाने वाले अधिकतर यात्री बिना टिकट यात्रा कर रहे हैं। जो ट्रेन इन स्टेशन पर पर रुकती है उनमें ज्यादा जांच की जा रही है। इसके साथ ही प्लेटफार्म टिकट न लेने वालों की भी जांच की जा रही है। रेलवे की ओर से मासिक पास की व्यवस्था है। यात्रियों ने एक माह का मासिक पास बनवाया हुआ है।

कश्मीर से गुरु तेग बहादुर बलिदान दिवस यात्रा का गाजियाबाद के व्यापारियों ने किया स्वागत

गाजियाबाद। शहर के संदीप त्यागी को ग्लोबल गुरुनानक मिशन का सहसंयोजक (इंटरनेशनल चेप्टर प्रभारी) बनाया गया है। इस मिशन के तहत श्रीनगर से दिल्ली के शीशगंज गुरुद्वारा तक गुरु तेग बहादुर के बलिदान को समर्पित जनजागरण यात्रा निकाली जाएगी। इस संबंध में गाजियाबाद में एक बैठक गुरवार को कविनगर स्थित राष्ट्रीय व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष बालकिशन गुप्ता के कार्यालय पर हुई। पंडित अशोक भारतीय ने बताया, अक्टूबर माह में डेरा कार सेवा पेहवा रोड व बृह्मसरोवर क्षेत्र कुरुक्षेत्र में विभिन्न राज्यों से एकत्र हुए संगठनों के प्रतिनिधियों ने एकमत से तय किया गया कि गुरु तेग बहादुर के बलिदान दिवस को याद करते हुए जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के जरिये बताया जाएगा कि गुरु तेग बहादुर का बलिदान क्यों हुआ। जनजागरण के तहत साझा संदेश यात्रा कश्मीर के श्रीनगर

से शुरू होगी। ये यात्रा हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा होते हुए दिल्ली के गुरुद्वारा चांदनी चौक पर 11 नवंबर को पहुंचेगी। यात्रा में अलग-अलग जगह पर विभिन्न देशों से प्रतिनिधि प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने वाले हैं। राष्ट्रीय व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता ने आपसी सौहार्द भाईचारे के लिए इस जनजागरण यात्रा में भाग लेने वाले जत्थे के सभी सदस्यों का दिल्ली में स्वागत करने की घोषणा की। इस यात्रा में गुरु तेग बहादुर का मानव अधिकार रक्षक, मानवाधिकार योद्धा के रूप में विश्वभर में पाठ्यक्रम में शामिल करने हेतु प्रस्ताव पारित कर संयुक्त राष्ट्र संघ को भेजा जाना है। नई दिल्ली स्थित सभी देशों के राजदूतों को इस यात्रा में किसी भी एक दिन उपस्थित होकर सहयोग करने का निवेदन किया जायेगा। बैठक में आशु पंडित, डॉक्टर गौरव, गोपाल सैनी, अजय शर्मा, तपेंद्र, राहुल शर्मा आदि मौजूद रहे।

शहर के अस्पतालों में कई दवाओं के स्टॉक की भारी कमी, लोगों को नहीं मिल रहे कई सीरप

गाजियाबाद। शहर के जिला अस्पताल में कई जरूरी दवाओं की कमी होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। राजधानी लखनऊ स्तर से दवाइयों की आपूर्ति नहीं होने से जिले के सभी अस्पतालों में कैल्सियम, एंटी एलर्जी समेत अन्य दवाइयों की कमी हो गई है। इस कारण से मरीजों को बाहर से दवाई खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि शासन स्तर से जानकारी मिली है कि दवाई की खरीदारी के लिए टेंडर जारी हो चुके हैं। जल्द ही दवाइयों की आपूर्ति हो जाएगी। सरकारी अस्पताल में कैल्सियम, एलर्जी और जुकाम में प्रयोग होने वाली गोली सेट्रीजिन, खांसी का सिरप, रक्तचाप, मधुमेह सहित कई अन्य बीमारियों की दवाइयां अस्पतालों में समाप्त हो चुकी हैं। इस कारण से मरीजों को इन दवाइयों को बाहर से खरीदना पड़ रहा है। जिला अस्पताल में रोजाना एक से 12 सौ मरीजों को कैल्सियम और एंटी एलर्जी की दवाई की जरूरत पड़ती है। इसके अलावा पांच सौ से छह सौ मरीज मधुमेह की दवाई लेने के लिए आते हैं। इन मरीजों को बाजार से दवाई खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता है। उधर, सीएमओ डॉ. भवतोष शंखधार ने बताया कि शासन से काफी दवाइयां आ चुकी हैं। जल्द ही दवाओं की खेप अस्पताल में पहुंच जाएगी।

प्रोप्र्टी के नामांतरण में देनी होगी साढ़े तीन गुना अधिक फीस

गाजियाबाद। मूल आवंटी की मौत के बाद संपत्ति का नामांतरण कराने पर अब जीडीए को शुल्क के तौर पर 30 हजार रुपये देने होंगे। अभी तक सिर्फ 8050 रुपये जमा कराने होते थे। नामांतरण के लिए जो 20 अक्तूबर तक फीस जमा कर चुके हैं, उन्हें बढ़ा हुआ शुल्क नहीं देना होगा। नामांतरण के लिए प्रोसेसिंग फीस एक सौ रुपये का शुल्क पहले की तरह ही लागू है। जीडीए के अपर सचिव सीपी त्रिपाठी ने बताया कि यह व्यवस्था शासन के आदेश एवं प्राधिकरण उपाध्यक्ष की अनुमति मिलने पर लागू की गई है। परिजन स्वयं से किसी समाचार पत्र में सूचना प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उन्हें प्राधिकरण में प्रोसेसिंग के तौर पर एक सौ रुपये का भुगतान करना होगा। परिजनों को जीडीए द्वारा अधिकृत समाचार पत्रों में सूचना का प्रकाशन कराना होगा। ये भी स्पष्ट किया है कि जो आनलाइन 21 अक्तूबर 2022 तक आवेदन प्राप्त हुए हैं, निर्धारित शुल्क 8050 रुपये जमा कराते हुए 31 अक्तूबर तक सूचना का प्रकाशन कराया जाना सुनिश्चित किया जाए।

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी के बाद पहला दिवाली सेलिब्रेशन

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी के बाद पहली दिवाली सेलिब्रेशन खास रही। इस मौके पर रणबीर कपूर की मां दिवाली की पूजा के लिए इस न्यूली वेड कपल के घर पहुंची। यही नहीं इस दिवाली पूजा में आलिया की मां सोनी राजदान और बहन शाहीन भट्ट भी शामिल हुईं। अप्रैल में शादी के बंधन में बंधे रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फर्स्ट दिवाली सेलिब्रेशन की तस्वीरें इंटरनेट पर छाई हुई हैं। आलिया-रणबीर की दिवाली सेलिब्रेशन में रणबीर की मां नीतू कपूर और आलिया की मां सोनी राजदान भी शामिल हुईं इस मौके पर नीतू कपूर दिवाली पूजा की आरती करती दिखीं। प्रेग्नेंट आलिया भी दिवाली पूजा में शामिल हुईं। बता दें जल्द ही रणबीर और आलिया अपने पहले बेबी का वेल्कम करने जा रहे हैं। नीतू कपूर ने दिवाली सेलिब्रेशन की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। नीतू कपूर की इस दिवाली फोटो पर करिश्मा कपूर और उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर का प्यार भरा रिएक्शन भी मिला है। आलिया-रणबीर की इस तस्वीर को फेंस ह्यमोस्ट अवेटिड तस्वीरह्व बता रहे हैं। आलिया-रणबीर की पहली तस्वीर को फैंस के खूब रिएक्शन मिल रहे हैं। एक फैन ने आलिया और रणबीर के परिवार को एक साथ दिवाली सेलिब्रेट करते देख एक खास बात कही है, फैन ने लिखा है, ह्यमुझे ये देखकर बहुत अच्छा लगा कि दोनों परिवार एक साथ दिवाली मना रहे हैं, ना कि जो इंडियन सोसाइटी का मांइडसेट है कि लड़की अपने ससुराल में ही या ससुरालवालों के साथ ही दिवाली मनाएगी। उम्मीद है आने वाले समय में ये धारणा बदल जाए और लोग ऐसे मिलकर दिवाली सेलिब्रेट करें। शादी के बाद अपनी पहली दिवाली के मौके पर आलिया भट्ट ब्राइट लाल रंग के सूट में नजर आईं। आलिया इस एथनिक आउटफिट के साथ हैवी ईयररिंग्स पहने दिखीं। इसके अलावा आलिया ने दिवाली पूजा सेलिब्रेशन से पहले फैंस को अपनी थ्रोबैक तस्वीर पोस्ट कर दिवाली की बधाई दी। बता दें ब्रह्मास्त्र की रिलीज के बाद आलिया भट्ट मेटरनिटी लीव पर चल रही हैं। इस साल 14 अप्रैल को शादी के बंधन में बंधी आलिया ने जून में अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी।

फिल्म मेकर अमृतपाल बिंद्रा की पार्टी में लगाए चार चांद

बॉलीवुड में दिवाली पार्टी रखने का चलन बहुत पुराना है। अमिताभ बच्चन से लेकर करण जौहर तक कई सितारे अपने दोस्तों के लिए दिवाली पार्टी का आयोजन करते हैं। इन पार्टीज में सेलेब्स अपनी डिजाइनर ड्रेसेस और खूबसूरत मेकअप के साथ अपना जलवा बिखेरते हुए दिखाई देते हैं। ऐसा ही दिवाली से पहले फिल्ममेकर अमृतपाल बिंद्रा के घर में भी हुआ। इनकी दिवाली पार्टी में सारा अली खान, अनन्या पांडे, जान्हवी कपूर और वरुण धवन सहित कई सितारों ने शिरकत की। वहीं, सारा अली खान ने अपने फैन्स को एक पोस्ट के जरिए दिवाली गिफ्ट दिया। सारा ने प्री-दिवाली पार्टी की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। तस्वीरों में उनके दोस्त और साथ में अभिनेत्री अनन्या पांडे और जान्हवी कपूर भी हैं। फोटोज में सारा अली खान, अनन्या और जान्हवी तीनों ही एथिनिक ड्रेस में दिखीं। फैंस ने इन तस्वीरों पर कमेंट कर अपने अरमान जाहिर करना शुरू कर दिए। सोशल मीडिया पर यूजर ने तीनों के ही लुक्स की तारीफ की। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, सारा जी आपको दीपावली की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। तो वही दूसरे यूजर ने लिखा, आप बहुत सुंदर लग रही हैं। इंस्टाग्राम पर सामने आईं इन तस्वीरों में सारा अली खान बेज-लाल लहंगे में हैं, जबकि अनन्या ने चमकीले लाल रंग की साड़ी और जान्हवी ने सिल्वर रंग की साड़ी पहनी है। फोटो में तीनों अभिनेत्रियां एक साथ पोज देते हुए और अपनी किलर स्माइल से लोगों पर बिजलियां गिरा रही हैं। इन तीनों के अलावा सारा ने उनके भाई इब्राहिम अली खान, अभिनेता वरुण धवन और फिल्म निमार्ता करण जौहर के साथ भी तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने अपने पोस्ट को कैप्शन दिया, दिवाली की बहुत शुभकामनाएं। सभी को ढेर सारा प्यार और समृद्धि मिले।₹ पिछले हफ्ते से बॉलीवुड के कई सितारों ने दिवाली पार्टी का आयोजन किया है, शिल्पा शेट्टी, एकता कपूर, मनीष मल्होत्रा, कृति सेनन, रमेश तौरानी, आनंद पंडित और भूमि पेडनेकर समेत कई सितारों के नाम शामिल हैं।

रामसेतु से अक्षय कुमार ने जीता दर्शकों का दिल

अक्षय कुमार, जैकलीन फर्नांडीस और नुसरत भरूचा की फिल्म 'राम सेतु' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। इस फिल्म के नाम से ही साफ है कि यह फिल्म भगवान राम के नाम के आसपास ही घूमती नजर आएंगी। अभिषेक शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की कहानी 'रामसेतु' की तलाश में आधारित है और इस सेतु की तलाश करने अक्षय कुमार निकलते हैं। अक्षय ने आर्कियोलॉजिस्ट का किरदार निभाया है। इस फिल्म से सिर्फ मेकर्स को ही नहीं बल्कि फैंस को भी काफी उम्मीदें हैं क्योंकि इस साल अक्षय कुमार तीन फ्लॉप फिल्में दे चुके हैं, जिसमें 'बच्चन पांडे', 'सम्राट पृथ्वीराज' और 'रक्षाबंधन' शामिल है और चौथी फिल्म 'कठपुतली' ओटीटी पर रिलीज हुई थी। इसी वजह से अक्षय के लिए भी जरूरी है कि फैंस को यह फिल्म पसंद आए। अब सोशल मीडिया पर इस फिल्म के लिए लोगों का पहला रिएक्शन कैसा आया है? आइए आपको बताते हैं।

अक्षय कुमार की फिल्म 'रामसेतु' रिलीज के साथ ही फैंस के बीच छा गई है। सोशल मीडिया पर लोगों ने इस फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया दी है। इतना ही नहीं, कई लोगों ने फिल्म को पांच में से चार स्टार दिए हैं। एक यूजर ने फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, 'अक्षय कुमार की फिल्म एडवेंचर, इमोशन्स, संघर्ष, एक्शन, वीएफएक्स के बारे में है। रामसेतु हाल के दिनों में अक्षय कुमार की सबसे अच्छी फिल्म है।

एक यूजर ने लिखा, 'धन्यवाद भाई। राम सेतु के लिए ऑल द बेस्ट।' दूसरे यूजर ने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'रामसेतु दिन।' तीसरे यूजर ने लिखा, 'दिलचस्प कॉन्सेप्ट रामसुते।' वहीं, एक यूजर ने फिल्म के फर्स्ट हाफ की तारीफ करते हुए लिखा, 'इंटरवल तक सब बढ़िया चल रहा है। फिल्म टॉपिक से हटती नहीं है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'राम सेतु फर्स्ट हाफ.... फैंटास्टिक... गुड कॉन्सेप्ट।' इस यूजर ने साथ में फायर इमोजी भी लगाया है। रामायण के मुताबिक, भगवान श्रीराम की सेना ने 'रामसेतु' का निर्माण श्रीलंका जाने के लिए किया था और फिल्म 'रामसेतु' की कहानी एक आर्कियोलॉजिस्ट की है। यह किरदार अक्षय कुमार निभा रहे हैं।

शालिन और गौतम के लिए भिड़ीं टीना दत्ता-निम्रत कौर

कॉन्ट्रोवर्शियल रियलिटी शो 'बिग बॉस' का 16वां सीजन जैसे जैसे आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे गेम और मजेदार हो रहा है। सोमवार को इस खेल से ब्यूटी क्वीन मान्या सिंह बाहर हो गई हैं, जिसके बाद अब 'बिग बॉस' के घर में 12 कंटेस्टेंट्स ही बचे हैं और इनके बीच कांटे की टक्कर जारी है। इसी बीच शो के अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो सामने आ गया है, जिसमें टीना दत्ता और निम्रत कौर अहलूवालिया आपसी सहमति से गौतम विज और शालिन भनोट की किस्मत का फैसला करती दिख रही हैं।

दरअसल, 'बिग बॉस' के मेकर्स ने मंगलवार के एपिसोड का एक प्रोमो शेयर किया है, जिसमें नॉमिनेशन की प्रक्रिया होती दिख रही है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक कमरे में टीना, निम्रत, शालिन और गौतम मौजूद हैं। इस प्रक्रिया के तहत टीना और निम्रत को आपसी सहमति से शालिन और गौतम में से किसी एक को बचाना है और किसी एक को सीधा नॉमिनेट करना है। इसी वजह से दोनों के बीच बहस हो जाती है।

आंखों की सुरक्षा के लिए खाने में जरूर शामिल करें इन हेल्थी फूड को

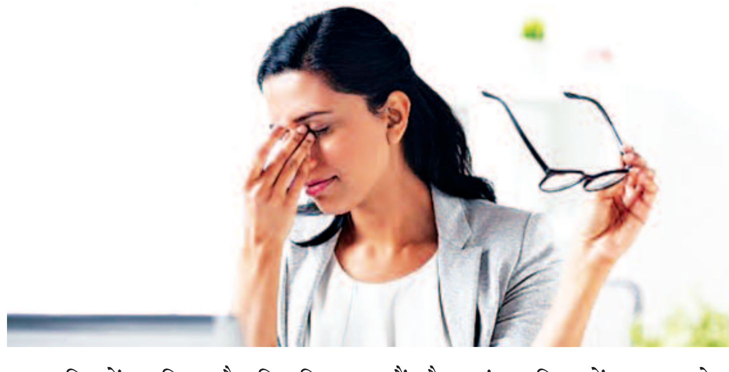

आंख है तो खूबसूरत जिंदगी है, इसके कलर हम देख पाते हैं। लेकिन जब इसमें कोई प्रॉब्लम होने लगती है तो फिर एक डर बैठ जाता है कि कहीं हम काली तस्वीरों में ना कैद हो जाए। डिजिटल युग में हम ज्यादातर वक्त मोबाइल, लैपटॉप या डेस्टॉप पर गुजारते हैं, जिसकी वजह से आंखें प्रभावित होती हैं। कई केस में तो आंखों की रोशनी भी जा सकती है। इसलिए हेल्दी, संतुलित डाइट लेना जरूरी है जो हमारे विजन को बचाकर रखें। हम आपको बताने जा रहे हैं उन खाने की चीजों के बारे में जिसे डाइट में शामिल करने के बाद आंखों की रोशनी बनी रहती है।

अंडा में मौजूद विटामिन और पोषक तत्व, जिनमें ल्यूटिन और विटामिन ए शामिल हैं आंखों के कार्य के लिए वास्तव में हेल्दी और लंबे समय तक आंखों की रोशनी में सुधार करते हैं। आप किसी भी तरह से अंडे पका सकते हैं और खा सकते हैं और यहां तक कि उन्हें कच्चा खाने की हिम्मत भी कर सकते हैं।

यह सबसे अजीब दिखने वाले फलों में से एक है। ये फल हिमालय के निचले हिस्से और चीन में पाया जाता है। ये देखने में भगवान बुद्ध के हाथों की तरह लगता है इस वजह से इसे हैंड ऑफ बुद्धा फल कहते हैं। यह जूसी फल विटामिन सी से भरपूर होता है और यह रेटिना की कोशिकाओं की रक्षा करने में मदद करता है। इसलिए आंखों की रोशनी में सुधाकर के लिए इसे अपने आहार में शामिल करना चाहिए। इस फल को सलाद के रूप में, पैनकेक के बैटर में डालकर खा सकते हैं। गाजर व्यापक किसी रूप में आंखों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है। अंडे की जर्दी के समान, गाजर में विटामिन ए और बीटा कैरोटीन भी होता है जो आंखों के संक्रमण और अन्य गंभीर आंखों की स्थिति को रोकने में मदद करता है। आंखों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए विटामिन ई और ओमेगा फैटी एसिड महत्वपूर्ण हैं और इन पोषक तत्वों के सबसे अच्छे वाहक बादाम जैसे सूखे मेवे हैं। यह एक ऐसा भोजन है जिसके लिए आपको अपने स्नैक्स के तौर पर ले सकते हैं। लेकिन बस इसे कम मात्रा में लेना चाहिए क्योंकि यह कैलोरी से भरपूर होता है। इसलिए इसे खाते वक्त मात्रा पर नजर रखनी चाहिए। यदि आप मांसाहारी हैं तो चिकन या बीफ की जगह पर समुद्री मछली को चुने, क्योंकि यह ओमेगा -3 फैटी एसिड के सबसे समृद्ध स्त्रोतों में से एक माना जाता है जो आंखों की रोशनी में काफी योगदान देता है। जो लोग शाकाहारी हैं वे मछली के तेल की खुराक का विकल्प चुन सकते हैं।

नोएडा जेवर एयरपोर्ट के दूसरे चरण का निर्माण शुरू, ग्रामीणों ने जमीन देने पर दी सहमति

ग्रेटर नोएडा। जेवर में बन रहे दुनिया के चौथा सबसे बड़े एयरपोर्ट (क्षेत्रफल के हिसाब से) के दूसरे चरण के निर्माण के लिए मार्ग पूरी तरह से प्रशस्त हो गया है। इससे नोएडा एयरपोर्ट पर देश के सबसे बड़े मेंटेनेंस, रिपेयरिंग और ओवरहालिंग (एमआरओ) के निर्माण का रास्ता भी साफ हो गया है। पहले चरण के निर्माण लिए 1334 हेक्टेयर भूमि पूर्व में मिल चुकी है। इस पर निर्माण कार्य शुरू है। दूसरे चरण के निर्माण के लिए भूमि न मिलने का अड़ंगा लगा था, पर उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों से छह गांवों के किसान अपनी 1365 हेक्टेयर भूमि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नियाल) देने को तैयार हो गए हैं। नए भूमि अधिग्रहण कानून के हिसाब से किसी भी परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के लिए प्रभावित होने वाले 70 प्रतिशत किसानों की सहमति जरूरी है। 7164 किसानों में से करीब 80 प्रतिशत ने अपनी मंजूरी दे दी है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लि. (नियाल) के पास अब 2699 हेक्टेयर भूमि हो जाएगी। एयरपोर्ट के लिए कुल 6200 हेक्टेयर भूमि आरक्षित है।

क्षेत्रफल के मामले में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट दुनिया का चौथा सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनना है। इससे पहले किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट सऊदी अरब, डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट व डलास इंटरनेशनल एयरपोर्ट अमेरिका आदि तीन एयरपोर्ट ही क्षेत्रफल के मामले में सबसे बड़े हवाई अड्डों में शुमार थे। हालांकि, रनवे के मामले में दूसरे अन्य एयरपोर्ट बड़े हैं।उल्लेखनीय है कि जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण अलग-अलग चरणों में पूरा होगा। कुल पांच रनवे बनने हैं। पहले चरण के लिए 1334 हेक्टेयर भूमि पर दो रनवे का निर्माण कार्य शुरू है। पहले फेज का निर्माण भी चार भागों में होगा। एक रनवे का निर्माण कार्य 2024 में पूरा हो जाएगा। इस पर करीब 5700 करोड़ रुपये खर्च होंगे। एयरपोर्ट के चालू होने पर शुरूआती दौर में सालाना एक करोड़ 20 लाख यात्री सफर करेंगे। संख्या बढ़ने पर दूसरे चरण में एक और रनवे का निर्माण होगा। बाकी दो और रनवे का निर्माण अगले चरणों में होगा। चारों चरण पूरे होने पर एयरपोर्ट से सालाना करीब सात करोड़ यात्री सफर करेंगे। परियोजना पर कुल 30 हजार करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान हैं। बाक्स दूसरे चरण की जमीन पर बनेगा एक रनवे व एमआरओ एयरपोर्ट के निर्माण के लिए दूसरे चरण में जिस भूमि को लिया जा रहा है, उस पर एक रनवे व एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयरिंग और ओवरहालिंग (एमआरओ) का केंद्र बनेगा। देश के 85 प्रतिशत हवाई जहाज मेंटेनेंस रिपेयर, ओवरहालिंग के लिए विदेश जाते हैं। इस पर सालाना 15 हजार करोड़ रुपये खर्च होते हैं। यह रकम विदेश चली जाती है। नोएडा एयरपोर्ट एमआरओ का बड़ा केंद्र बनने से विदेश जाने वाली मुद्रा की बचत होगी और युवाओं को रोजगार भी मिलेगा।बाक्सबड़े हवाई अड्डों में क्षेत्रफल की दृष्टि से होगा चौथे नंबर पर भारत दुनिया के बड़े एयरपोर्ट की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच जाएगा। क्षेत्रफल के आधार पर दुनिया के मौजूदा पांच सबसे बड़े एयरपोर्ट में सऊदी अरब का किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट 77,600 हे, अमेरिका का डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट 13,571 हे. और अमेरिका डलास इंटरनेशनल एयरपोर्ट 6,963 हेक्टेयर भूमि पर बना है। इसके बाद अमेरिका के दो अन्य आरलैंडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट 5383 हे.व वाशिंगटन डुलल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट 4856 हेक्टेयर भूमि में बना हैं। जबकि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कुल 6200 हेक्टेयर भूमि पर बनेगा। एयरपोर्ट के दूसरे चरण के निर्माण के लिए किसान अपनी भूमि देने को तैयार नहीं हो रहे थे। जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने किसानों की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बैठक कराई। मुख्यमंत्री के साथ बैठक के बाद किसान भूमि देने को सहमत हुए। जेवर विधायक गांव-गांव जाकर किसानों को भूमि देने के लिए तैयार कर उनके सहमति पत्र एकत्रकर प्रशासन के जरिए सरकार को भेजे जा रहे हैं। उपजिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को विधायक धीरेंद्र सिंह के कार्यालय पर पहुंचकर किसानों ने भूमि अधिग्रहण पर सहमति दी। इसमें रन्हेरा में 107, मुढरह के सात, करौली बांगर 11 व कुरैव के 20 किसानों ने सहमति दी। उन्होंने बताया कि प्रशासन शेष बचे सभी किसानों से सहमति लेने के लिए प्रयास कर रहा है। उम्मीद है कि आगामी कुछ दिनों में शत प्रतिशत किसान अपनी सहमति देकर क्षेत्र के विकास में अपनी भागीदारी निभायेंगे।

केजरीवाल की मोदी से अपील, नोट पर हो लक्ष्मी और गणेश जी की फोटो

दिल्ली के सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय करेंसी पर लक्ष्मी और गणेश जी की फोटो लगाने की मांग की है। उन्होंने अर्थव्यवस्था की बेहतर स्थिति और देश को विकसित बनाने के लिए 'देवी-देवताओं के आशीर्वाद' की जरूरत बताते हुए ऐसा कहा है। केजरीवाल ने यह भी कहा कि नोट के एक तरफ गांधी जी की तस्वीर रहने दी जाए और दूसरी तरफ लक्ष्मी-गणेश की फोटो हो। वह इसके लिए पीएम मोदी को लेटर भी लिखने जा रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिवाली की रात पूजा करते समय उनके मन में यह विचार आया। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी कई लोगों से बातचीत हुई है और इस पर किसी को ऐतराज नहीं होना चाहिए। डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने कहा कि कोशिशें तब कामयाब होती हैं जब देवी-देवताओं का आशीर्वाद साथ हो। अरविंद केजरीवाल ने कहा, "हम सब चाहते हैं कि भारत अमीर देश बने और हर भारतवाशी अमीर परिवार बने। इसके लिए बहुत सारे कदम उठाने की जरूरत है। हमें बड़ी संख्या में स्कूल खोलने हैं, अस्पताल बनाने हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है। लेकिन कोशिश तभी कामयाब होगी जब हमारे ऊपर देवी देवताओं का आशीर्वाद होता है। कई बार देखते हैं कि कोशिश का परिणाम नहीं आ रहा है तब लगता है कि देवी देवताओं का आशीर्वाद हो तो नतीजे आने लगते हैं।" केजरीवाल ने कहा, "परसों दिवाली थी, हम सब ने श्रीगणेश जी और लक्ष्मी जी की पूजा की। हमने सुख शांति की प्रार्थना की। हम यह भी देखते हैं कि जितने व्यापारी हैं, सब लोग अपने यहां जरूर लक्ष्मी और गणेश जी की मूर्ति लगाकर रखते हैं। रोज सुबह काम शुरू करने से पहले उनकी पूजा करते हैं। आज मेरी केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री से अपील है कि भारतीय करेंसी पर एक तरफ गांधी जी की तस्वीर है वह ऐसे ही रहनी चाहिए दूसरी तरफ गणेश जी की और लक्ष्मी जी की तस्वीर लगाई जाए। जैसा मैंने कहा कि हमें अपनी अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए बहुत प्रयास की जरूरत है, लेकिन उसके साथ देवी-देवताओं के आशीर्वाद की जरूरत है। अगर भारतीय करेंसी के ऊपर एक तरफ गांधी जी की तस्वीर रहे और दूसरी तरफ अगर लक्ष्मी जी की और गणेश जी की तस्वीर होगी तो इससे पूरे देश को उनका आशीर्वाद मिलेगा। लक्ष्मी जी को समृद्धि की देवी माना गया है, गणेश जी विघ्न दूर करने वाले देवता हैं।"

दिल्ली-जयपुर हाईवे पर प्रतिबंधित वाहनों के खिलाफ ट्रैफिक पुलिस ने चलाया अभियान

गुरुग्राम। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर प्रतिबंधित वाहनों के चलने पर रोक लगाने के लिए गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस ने गुरुवार से विशेष अभियान की शुरूआत की है। पहले दिन हाइवे पर नियमों को ताक पर रख कर दौड़ रहे 50 प्रतिबंधित वाहनों के पुलिस ने चालान काटे। इनमें अधिक सवारियां बैठाकर दौड़ रहे ऑटो और दोपहिया वाहन शामिल रहे। पुलिस ने दो ऑटो को जब्त भी किया। वहीं तिपहिया और दुपहिया वाहन चालकों को हाईवे पर चलने के बजाय सर्विस लेन पर चलने के लिए जागरूक किया गया, जिससे कि हाईवे पर होने वाले हादसों में कमी आ सके।

निर्धारित संख्या से अधिक यात्री बैठाने पर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 177, सीरियल नंबर 19 के तहत 500 से 1500 रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है। पहली बार नियम तोड़ता पाए जाने पर 500 रुपये और उसके बाद दोबारा नियम तोड़ने पर

1500 रुपये का जुमार्ना लगता है।अक्तूबर माह में इसके तहत गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस कुल 1263 चालान कर चुकी है। हाईवे पर नियुक्त की गई टीमें: गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस की करीब आधा दर्जन टीमों को हाईवे पर नियुक्त किया गया है। ट्रैफिक पुलिस के जवाब हाईवे पर मौजूद रहकर वहां से गुजरने वाले प्रतिबंधित वाहनों के चालान कर रहे हैं। इसके अलाव हाईवे के प्रवेश और निकास वाले स्थानों पर भी पुलिस के जवान लगाए गए हैं, जो प्रतिबंधित वाहनों को हाइवे के मुख्य मार्ग पर जाने की बजाय सर्विस लेन का इस्तेमाल करने के लिए जागरूक कर रहे हैं। लोगों से नियमों का पालन करने की अपील: पुलिस उपायुक्त (यातायात) वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस अभियान के तहत दुपहिया व तिपहिया वाहनों को राष्ट्रीय राजमार्ग 48 का उपयोग न करने व निर्धारित संख्या में ही सवारी बैठाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 (दिल्ली-जयपुर हाइवे) पर दुपहिया और तिपहिया वाहनों का चलना प्रतिबंधित है। ऐसे में मुख्य मार्ग पर दुपहिया व तिपहिया वाहनों के आवागमन से हर समय किसी अप्रिय दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है।ट्रैफिक पुलिस के इस अभियान की ओर से जहां लोग सराहना कर रहे हैं, वहीं कुछ लोगों का ये भी कहना है कि इस अभियान को शुरू करने से पहले ट्रैफिक पुलिस को एनएचएआई के साथ मिलकर सर्विस रोड की हालत सुधरवानी चाहिए थी।

वेव ग्रुप की मेगा सिटी सेंटर योजना में प्राधिकरण की मंजूरी के बाद रजिस्ट्री शुरू

नोएडा। वेव ग्रुप की मेगा सिटी सेंटर योजना में प्राधिकरण की मंजूरी के बाद रजिस्ट्री शुरू हो गई है। इस प्रोजेक्ट की पहली रजिस्ट्री हो चुकी है। इसके अलावा वेव एमोर मिड राइज के 15 खरीदारों को रजिस्ट्री के लिए आमंत्रण दिया गया है। इससे सभी खरीदार खासे उत्साहित हैं। उन्हें उम्मीद है कि शीघ्र ही उन्हें भी उनका आशियाना, दुकान और उसका मालिकाना हक मिल सकेगा। वेव ग्रुप का दावा है कि उन्हें 300 यूनिट की रजिस्ट्री के लिए ओसी (ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट) प्राधिकरण से मिल चुका है। नोएडा के सेक्टर-25 और सेक्टर-32 के बीच स्थित वेव मेगा सिटी सेंटर प्राइवेट

लिमिटेड ने साल 2011 में लीज होल्ड के आधार पर 6.18 लाख वर्ग मीटर जमीन खरीदी थी। इस जमीन पर व्यावसायिक और आवासीय योजना लाई गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने आवेदन किए थे। लेकिन, अभी तक उन्हें ना तो अपने घर मिले और ना ही व्यावसायिक संपत्ति। इस प्रोजेक्ट में बुकिंग कराने वाले खरीदार लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। अब उन्हें जल्द ही अपनी संपत्ति मिलने की उम्मीद है। वेव सिटी सेंटर होम बायर्स एसोसिएशन के प्रवक्ता अंशुमन जैन ने बताया कि वेव ग्रुप द्वारा लीज रेंट के करीब 16 करोड़ रुपये प्राधिकरण में जमा करा दिए गए हैं, जिसके बाद करीब 300 संपत्तियों की रजिस्ट्री की मंजूरी प्राधिकरण की ओर से ग्रुप को मिली है। इसमें कुछ व्यावसायिक और कुछ आवासीय संपत्तियां हैं। उन्होंने बताया कि वेव एमोर मिड राइज के 15 खरीदारों को भी वेव ग्रुप की ओर से रजिस्ट्री कराने के लिए आमंत्रण दिया गया है और शीघ्र ही वह भी अपने फ्लैट की रजिस्ट्री कराएंगे।

400 करोड़ की लागत से होगा अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम का निर्माण

गाजियाबाद। गाजियाबाद में करीब 7 साल से प्रस्तावित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम की अड़चनें अब दूर होने वाली हैं। स्टेडियम की प्रस्तावित जमीन के ऊपर से होकर गुजर रही हाईटेंशन लाइन की शिफ्टिंग के लिए उप्र क्रिकेट एसोसिएशन ने हामी भर दी है, जिस पर करीब 14 करोड़ रुपए खर्च होंगे। जनवरी-2023 से स्टेडियम का निर्माण शुरू होगा। 2 साल में ये बनकर तैयार हो जाएगा। यह स्टेडियम 32.5 एकड़ में से 22 एकड़ जमीन पर बनेगा। बाकी 10.5 एकड़ जमीन पर फाइव स्टार होटल, हॉस्टल बनेगा। फर्स्ट फेज में यहां दर्शकों की क्षमता 45 हजार की होगी। बाद में ये बढ़ाकर 75 हजार तक की जाएगी। स्टेडियम निर्माण पर करीब 400

करोड़ रुपए खर्च होंगे।

केंद्रीय राज्यमंत्री एवं गाजियाबाद के सांसद जनरल वीके सिंह ने गुरुवार को ट्वीट करके बताया- 'गाजियाबाद के लोगों के लिए अच्छा समाचार। सालों से हम सबका एक सपना था कि यहां एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम हो। तमाम अड़चनों एवं अवरोधों के निवारण के उपरांत अब यह सपना साकार होने वाला है। जनवरी-2023 में इसका निर्माण शुरू होगा और दो साल में पूर्ण होगा।' 4 जनवरी 2022 को देवरिया से इखढ विधायक शलभमणि त्रिपाठी ने क्रिकेट खिलाड़ियों से मुलाकात पर एक ट्वीट किया। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने इसके रिप्लाई में लिखा- 'गाजियाबाद कब होगा सर, मेक सेंस?' इस पर शलभमणि ने जवाब दिया- 'आपने कहा है तो पुरजोर प्रयास होगा, आप यूपी के गौरव हैं सुरेश रैना जी, बेस्ट विसेज। आखिर में सुरेश रैना ने गाजियाबाद के स्टेडियम को लेकर चल रही उपेक्षा का दर्द बयां करते हुए ट्वीट किया- 'ये स्थिति है। 2015 में गाजियाबाद ने अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम के सपने देखे थे। अभी भी सिर्फ जमीन ही जमीन दिखाई देती है। कृपया राज्य सरकार संज्ञान ले'।

लाइन शिफ्टिंग पर 14 करोड़ खर्च

उप्र क्रिकेट एसोसिएशन ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर साल–2015 में काम करना शुरू किया। गाजियाबाद के राज नगर एक्सटेंशन इलाके में इसके लिए 32.5 एकड़ जमीन तलाश ली गई। 28 जुलाई 2019 को लखनऊ की इन्वेस्टर समिट में गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसका भूमि पूजन भी कर दिया।

हालांकि बाद में बिजली लाइन की समस्या आ गई। प्रस्तावित स्टेडियम की जमीन के ऊपर से हाईटेंशन बिजली लाइन गुजर रही है। इसकी शिफ्टिंग पर 14 करोड़ रुपए खर्च होने हैं।

खाली फ्लैट्स की बिक्री बढ़ाने के लिए 10 फीसदी की छूट देने का निर्णय

गाजियाबाद। वसुंधरा आवास विकास परिषद की 31 अक्तूबर को मुख्यालय में बोर्ड बैठक होगी। इसमें आविप के खाली फ्लैट्स की बिक्री बढ़ाने के लिए 10 फीसदी की छूट देने का निर्णय लिए जाने की पूरी उम्मीद है। ऐसे में अधिकारियों को उम्मीद है कि टीएचए व लोनी में करीब 5 हजार फ्लैट्स खाली पड़े हैं जो दाम घटने पर बिक सकेंगे।

उप आवास आयुक्त शेरी ने बृहस्पतिवार को बताया कि वसुंधरा, सिद्धार्थ विहार के गंगा यमुना हिंडन अपार्टमेंट और लोनी स्थित मंडोला विहार में करीब 5 हजार फ्लैट्स खाली पड़े हैं। इन फ्लैट्स की कीमत बिल्डर्स के फ्लैट्स से अधिक होने की वजह से ये बिक नहीं पा रहे हैं। इनकी बिक्री के लिए कीमत कम किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। मुख्यालय से जैसे ही आदेश आता है इनकी कीमत को घटाया जाएगा। साथ ही मंडोला विहार स्थित आवास विकास की योजना में उसे और विकसित करने का काम भी किया जाएगा। गंगा यमुना हिंडन अपार्टमेंट में रहने वाले अभिषेक सिंह ने बताया कि आविप की ओर से 2016 में लोगों को फ्लैट्स देने शुरू कर दिए थे। यहां 1292 फ्लैट्स हैं, जिनमें 700 फ्लैट खाली पड़े हैं। अभी तक यहां रहने वाले लोगों को बुनियादी सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। यहां स्वीमिंग पूल, क्लब हाउस, कम्यूनिटी सेंटर विकसित नहीं किया गया है। अपार्टमेंट में करीब 33 लिफ्ट

हैं, जिसमें से केवल 12 लिफ्ट चलती हैं। बाकी की लिफ्ट खराब हैं। आविप के अधिकारियों से लगातार शिकायत की जा रही है, लेकिन इसके बाद भी कोई भी समाधान नहीं हो रहा है। मंडोला में रहने वाले सोनल सिंह ने बताया कि यहां दो हजार से भी ज्यादा फ्लैट्स खाली पड़े हैं। यहां फ्लैट्स का रख-रखाव न होने की वजह से दीवारों से पेंट उतरना शुरू हो गया है। वहीं सोसायटी के पार्क में बड़ी-बड़ी घास उग गई है। चार पार्क में से केवल एक पार्क में झूले लगाए गए हैं। कनेक्टीविटी न होने की वजह से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यहां वो ही लोग रह सकते हैं जिनके पास अपने वाहन हैं। गंगा यमुना हिंडन अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों ने बताया कि सिद्धार्थ विहार में आविप के फ्लैट्स के मुकाबले दोगुना महंगे हैं। जिसकी वजह से यह फ्लैट्स खाली हैं। हालांकि बिल्डर से फ्लैट खरीदने में डर लगता है जबकि आविप पर लोग भरोसा करते हैं। इसलिए मंहगे फ्लैट्स भी खरीद लेते हैं। अगर फ्लैट्स की कीमत को कम किया जाए तो इससे आवंटियों को काफी राहत मिलेगी।

गाजियाबाद में तीन दिन में कुत्तों ने 1,160 लोगों को काटा

गाजियाबाद। दीवाली पर आतिशबाजी के चलते कुत्ते आक्रामक हो गए। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार विगत तीन दिन में शहरी और देहात क्षेत्रों में 1,167 लोगों को कुत्तों ने काटा है। एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाने पहुंचे लोगों में 275 बच्चे भी शामिल हैं। जिला सर्विलांस अधिकारी आरके गुप्ता ने बताया कि सबसे अधिक शहर में 576 लोगों ने कुत्ता काटने पर एआरवी लगवाई है। जिला एमएमजी अस्पताल में तीन दिन में 336 और संयुक्त अस्पताल में 240 लोगों ने एआरवी लगवाई है।

एम्स की तर्ज पर बनाया जाएगा यूनानी चिकित्सा पद्धति शिक्षा केंद्र

गाजियाबाद। यूनानी चिकित्सा पद्धति शिक्षा का बड़ा केंद्र गाजियाबाद को बनाया जाएगा। कमला नेहरूनगर में 10 एकड़ जमीन पर 381.42 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुए राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान में यूनानी पद्धति में परास्नातक और पीएचडी की शिक्षा प्राप्त करने के लिए मेडिकल कालेज भी बनाया गया है।

यूनानी चिकित्सा के माध्यम से सामान्य व जटिल रोगों के उपचार के लिए ओपीडी चालू होने जा रही है। यह संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट आफ यूनानी मेडिसिन (एनआइयूएम) बेंगलुरू का विस्तारीकरण है। इसका निर्माण भारत सरकार के उपक्रम वैपकास द्वारा किया गया है। रिसर्च के लिए 50 करोड़ की लागत से विशेष अत्याधुनिक लैब का भी निर्माण किया गया है। शिक्षा

और शोध के लिए रिसर्च इंडियन काउंसिल फार कल्चरल रिलेशंस (आइसीसीआर) के तहत विदेशी छात्रों को रिसर्च स्कालरशिप प्रदान की जाएगी।यह संस्थान श्रीलंका, बांग्लादेश, ईरान, उजबेकिस्तान समेत कई देशों से समन्वय बनाते हुए यूनानी पद्धति का प्रचार प्रसार करने में अहम भूमिका निभाएगा। वर्तमान में बेंगलुरू स्थित संस्थान में श्रीलंका के कई छात्र शोध कर रहे हैं। रिसर्च के लिए एनिमल हाउस, डाक्टरों व कर्मचारियों के लिए आवास, पुरुष व महिला विद्यार्थियों के लिए अलग से छात्रावास बनाए गए हैं। ये सुविधाएं भी मिलेंगी एम्स की तर्ज पर बनाए गए इस संस्थान में आइसीयू, पांच ओटी, मेटरनिटी डिपार्टमेंट, ब्लड बैंक, डिजिटल एक्स-रे कक्ष, एमआरआइ, सीटी स्कैन, पैथोलाजी लैब, एक इमरजेंसी ओटी, क्लासरूम, पीकू-नीकू वार्ड, नर्सरी और प्राकृतिक चिकित्सा का इंतजाम है। उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान पहला है। इसमें यूनानी चिकित्सा पद्धति में शिक्षा प्राप्त करने का मौका भी मिलेगा। पहले चरण में यूनानी चिकित्सा में नीट के माध्यम से देश भर के इच्छुक छात्र संस्थान में परास्नातक कर सकेंगे। संभावना है कि 20 से 60 सीटों पर यहां पढ़ाई होगी। विदेशी छात्रों के लिए भी सीटें आरक्षित होंगी।

ओवरहेड टैंक से टपक रहा पानी, कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

गाजियाबाद। वैशाली सेक्टर-3 नवीन हॉस्पिटल के पास पार्क में डेढ़ साल से ओवरहेड टैंक से पानी रिसाव हो रहा है। जिससे टंकी के बेस में पिलर के पास हर समय पानी भरा रहता है। ऐसे में ओवरहेड टैंक के गिरने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। इसके साथ ही लोगों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो जाएगा। एफ ब्लॉक की आरडब्ल्यूए ने निगम में भी कई बार शिकायती पत्र देकर टंकी की मरम्मत कराने और परिसर के नीचे से पानी की निकासी की मांग की है। आरोप है कि निगम में इस समस्या को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

वैशाली सेक्टर-3 की कॉलोनी करीब 35 साल पुरानी है। करीब 17 साल पहले लोगों की पेयजल समस्या को देखते हुए ओवरहेड टैंक का निर्माण किया गया था। लंबे समय से टैंक की मरम्मत नहीं होने से उसमें रिसाव होना शुरू हो गया है और दिनभर पानी टपकता रहता है। जिससे पीने

का पानी भी बर्बाद हो रहा है और टंकी परिसर के नीचे जलभराव की समस्या भी रहती है। ऐसे में पिलर के जमीन में धंसने की आशंका है। अगर ऐसा होता है तो ओवरहेड टैंक के गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है। इससे इलाके के लोगों के सामने पेयजल का संकट भी खड़ा हो जाएगा। आरडब्ल्यूए की तरफ से धीरेंद्र सिंह भदौरिया और जेपी झा ने बताया कि ओवरहेड टैंक काफी जर्जर हालात में है। यहां बिना बारिश के ही जलभराव है। बारिश के समय तो ओवरहेड टैंक परिसर में काफी पानी एकत्रित हो जाता है। लोगों का कहना है कि ओवरहेड टैंक करीब 10 लाख लीटर का है। इससे सेक्टर-1, 2 और 3 की अजनारा अपार्टमेंट, अंसल प्लाजा, लीला होम्स सोसायटी आदि समेतम करीब 50 हजार आबादी को पानी सप्लाई किया जाता है। फिलहाल, आरडब्ल्यूए ने निगम अधिकारियों से ओवरहेड टैंक की मरम्मत की गुहार लगाई है। आरडब्ल्यूए का कहना है कि अगर समय रहते ओवरहेड टैंक की मरम्मत नहीं हुई तो लोगों के सामने पानी का संकट खड़ा हो जाएगा।

ओवरहेड टैंक परिसर में गंदगी का अंबार

टंकी परिसर में लंबे समय से सफाई नहीं हुई है। यहां चारों तरफ गंदगी का अंबार रहता है। लोगों ने बताया कि आसपास का पानी भी टंकी परिसर में बहकर आ रहा है। ओवरहेड टैंक के पिलरों के नीचे काफी घास व गंदगी है। निगम की टीम यहां सफाई करने के लिए नहीं आती है। आरडब्ल्यूए का कहना है कि टंकी परिसर में चार मोटर लगी है जिनमें दो मोटर खराब है।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. **Editor:** Dheeraj Kumar, **Resident Editor:** Manisha Bhargava** **Email:** editor@tbam.co.in
RNI. No: UPBIL/2009/28691, **Postal Registration No.** UP/GBD80/2016-18, **Advertisement :** Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, **Fax :** 0120-4561000
Add: Plot No- 516, Sector- 12, Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)**
Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.